झारखण्ड सरकार

जल संसाधन विभाग।

सं०सं०–8/ज० सं०(नि०)ग्रा०–17/2012– /राँची, दिनांक–

संकल्प

चूँकि झारखण्ड राज्यपाल को यह विश्वास करने का कारण है कि श्री नन्दनन्दन मण्डल, कनीय अभियंता ने जबकि वे कनीय अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल गोड्डा के पद पर पदस्थापित थे, घोर अनियमितता, कदाचार, अनुशासनहीनता बरती है जैसा कि अनुबंध में अन्तर्विष्ट आरोपों में उल्लेख है।

अतएव झारखण्ड राज्यपाल ने यह संकल्प लिया है कि उक्त श्री नन्दनन्दन मण्डल, कनीय अभियंता के विरूद्ध विनिर्दिष्ट आरोपों के लिए सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 1930 के नियम–55 के अर्न्तगत् विहित रीति से कार्यवाही की जाय।

2– श्री नन्दनन्दन मण्डल से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बचाव के संबंध में लिखित बयान श्री श्याम सुन्दर प्रसाद, सेवानिवृत्त भा०प्र०से० के समक्ष इस संकल्प प्राप्ति के दो सप्ताह के अन्दर प्रस्तुत करें, जिन्हें इसके द्वारा इस कार्यवाही के संचालन के लिए जाँच पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

3– उक्त विभागीय कार्यवाही में संचालन पदाधिकारी को सहयोग प्रदान करने के लिए कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गोड्डा को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

4–प्रस्ताव पर सचिव/ माननीया विभागीय मंत्री की सहमति प्राप्त कर ली गयी है।

आदेशः–आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति अनुबंध की प्रति के साथः– श्री श्याम सुन्दर प्रसाद, सेवानिवृत भा॰प्र॰से॰ टी॰ए॰ डिवीजन बिल्डिंग गोलचक्कर धुर्वा, राँची/ कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल गोड्डा/ श्री नन्दनन्दन मण्डल, कनीय अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गोड्डा को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दी जाय।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से

ह०/–

(डॉ०लम्बोदर महतो)

सरकार के उप सचिव।

ज्ञापांक– /राँची, दिनांक –

प्रतिलिपिः–अनुबंध की प्रति के साथ–श्री श्याम सुन्दर प्रसाद, सेवानिवृत भा॰प्र॰से॰ टी॰ए॰ डिवीजन बिल्डिंग गोलचक्कर धुर्वा, राँची/ कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गोड्डा/ श्री नन्दनन्दन मण्डल, कनीय अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गोड्डा को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित।

2– जाँच पदाधिकारी से अनुरोध है कि वे इस कार्यवाही का निष्पादन अधिक से अधिक दो माह के अन्दर सम्पन्न कर अपना जाँच प्रतिवेदन तीन प्रतियों में सरकार को समर्पित करेगें। साथ ही साथ कार्यवाही की अद्यतन स्थिति से अवगत कराते रहेगें एवं कार्यवाही अभिलेख की एक प्रति भी भेजा जाय।

3– प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी कृपया जाँच पदाधिकारी से सम्पर्क स्थापित कर उनका निदेश प्राप्त करें।

4– आरोपित पदाधिकारी यदि इस संबंध में कोई अभिलेख / कागजात देखना चाहते हैं तो अद्योहस्ताक्षरी एवं क्षेत्रीय कार्यालयों से व्यक्तिगत सम्पर्क कर देख लें और हर स्थिति में अपना लिखित बयान निर्धारित अवधि के अन्दर कर दें अन्यथा बिलम्ब की सारी जिम्मेवारी उनकी होगी।

अनु0ः–यथोक्त्।

ह0/–

(डॉ०लम्बोदर महतो)

सरकार के उप सचिव।

ज्ञापांकः– 1151 /राँची, दिनांकः– 03/06/14

प्रतिलिपिः–संयुक्त सचिव(प्र॰) जल संसाधन विभाग, झारखंड, राँची/ वेब मैनेजर, जल संसाधन विभाग, झारखंड, राँची को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

(डॉ॰लम्बोदर महतो)

सरकार के अवर सचिव।

29.5.14